सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-205
27/04/2017

एक साल के अंदर पश्चिम चम्पारण जिला के हर पंचायत को खुले में शौच से मुक्त बनाया जायेगा :– मुख्यमंत्री

पटना, 27 अप्रैल 2017 :– आज पश्चिम चम्पारण के गौनाहा प्रखण्ड के मुरली भरहवा में चम्पारण सत्याग्रह स्मृति समारोह 2017–18 के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस ऐतिहासिक दिवस पर हमें यहॉ उपस्थित होकर बेहद प्रसन्नता एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। मैं इस पावन धरती का नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि यहीं से राजकुमार शुक्ल निकले थे। राजकुमार शुक्ल ने नीलहों द्वारा हो रहे अत्याचार के खिलाफ आन्दोलन किया। उन्होंने गॉधी जी को चम्पारण आने के लिये आग्रह किया। कॉग्रेस के विभिन्न कार्यक्रमों में राजकुमार शुक्ल इस संदर्भ में गॉधी जी से मिलते रहे। आज इस घटना का नाटकीय मंचन भी किया गया, इसके लिये मैं सभी कलाकारों को धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि राजकुमार शुक्ल गॉधी जी के पीछे पड़े रहे और अंततः गॉधी जी को लेकर आये। गॉधी जी 10 अप्रैल को पटना पहुँचे थे। उसी दिन रात में मुजफ्फरपुर चले गये थे। गॉधी जी 15 अप्रैल को मुजफ्फरपुर से मोतिहारी गये थे। 25 अप्रैल को गॉधी जी बेतिया आये थे। राजकुमार शुक्ल ने बताया था कि उनके घर को उजाड़ दिया गया है एवं फसलों को नष्ट कर दिया गया है। 27 अप्रैल 1917 को गॉधी जी यहॉ मुरली भरहवा आये थे। गॉधी जी रेलगाड़ी से नरकटियागंज आये। नरकटियागंज से मुरली भरहवा आये थे। आज नरकटियागंज से शिकारपुर तक की यात्रा विधायक श्री विनय कुमार वर्मा द्वारा की गयी है, इसके लिये मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि गॉधी जी आये और उन्होंने खुद अपनी ऑख से नीलहों द्वारा हो रहे अत्याचार को देखा। यह सब क्षेत्र भेलवा कोठी अंग्रेज शासन के अधीन आता था। गॉधी जी सभी जगह गये। किसानों पर अनेक तरह के लगान भी लगाये जाते थे। गॉधी जी जहॉ भी गये, वहॉ पर लोगों ने उन्हें अपना दुखड़ा सुनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोतिहारी में 18 अप्रैल 1917 को गॉधी जी ने ऐतिहासिक वक्तव्य दिया था। अंग्रेजी शासन को गॉधी जी पर से मुकदमा हटाना पड़ा। गॉधी जी लगातार घूमते रहे, लोगों से मिलते रहे, ऐसा माहौल बना कि अंग्रेजों को झुकना पड़ा। एक कमिटी बनायी गयी। गॉधी जी भी इस कमिटी के सदस्य थे। अंग्रेजी शासन ने चम्पारण एग्रेरियन एक्ट पास किया। उन्होंने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह ने देश की आजादी की लड़ाई का मार्ग प्रशस्त किया था। चम्पारण सत्याग्रह के बाद आजादी की लड़ाई एक जन आन्दोलन का रूप धारण किया। चम्पारण सत्याग्रह का देशव्यापी प्रभाव हुआ था। इसके बाद अनेक आन्दोलन किये गये। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन की गयी। अंततः 1947 में अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा। चम्पारण सत्याग्रह के तीस साल के अंदर भारत आजाद हो गया। उन्होंने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह में राजकुमार शुक्ल की भूमिका अहम है। चम्पारण सत्याग्रह का सौ साल पूरा हुआ है। चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के अवसर पर साल भर कार्यक्रम चलाया जायेगा। 10 अप्रैल को पटना में गॉधी जी की विचारधारा पर राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम

का आयोजन किया गया था, जिसमें देश भर के प्रख्यात गॉधीवादी विचारक शामिल हुये। गॉधी जी के परिवार के लोग भी इसमें शामिल हुये। हम गॉधी जी के विचार को जन–जन तक पहुॅचायेंगे। इतना ही नहीं गॉधी जी के जीवन पर आधारित अनेक फिल्मों को गॉव–गॉव में दिखाया जायेगा। 12 अप्रैल को इसके लिये रथ रवाना कर दिया गया है। गॉधी जी ने कहा था कि मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। इसके अलावा सभी स्कूलों में गॉधी जी का कथावाचन किया जायेगा। पचास कहानियों का संकलन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग गॉधी जी के जीवन एवं उनके संदेश से सीख सकें, यही हमारा प्रयास है। सभी कार्यक्रम के साथ–साथ बापू तेरे द्वार हर घर पर दस्तक दी जायेगी। बापू से संबंधित दस्तावेज भी हर घर तक दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि आज समाज में इतना तनाव का माहौल है, उससे छुटकारा पाने का ही उपाय है, गॉधी जी के विचार। लोग अगर गॉधी जी के विचारों को अपनायेंगे तो समाज में शांति रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम गॉधी जी के दिखाये गये रास्तों पर काम करने की कोशिश कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में काफी काम किया गया है। महिलाओं के लिये पोशाक योजना, साइकिल योजना, सरकारी सेवाओं में 35 प्रतिशत आरक्षण तथा नगर निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को पचास प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के उत्थान के लिये जीविका का समूह का गठन किया जा रहा है। आज महिलायें कितनी आगे आयीं हैं। जीविका की दीदीयॉ सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं। शराबबंदी की मॉग जीविका की दीदीयों द्वारा की गयी थी। इनकी मॉग पर हमने वादा किया था कि अगली सता में आयेंगे तो शराबबंदी लागू करेंगे। 1 अप्रैल 2016 से शराबबंदी लागू की गयी। 5 अप्रैल 2016 से बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की गयी। शराबबंदी के बाद माहौल कितना बदल गया है। आज किस तरह से उत्साह का वातावरण है, सब लोग खुश हैं। जिस परिवार के लोग शराब पीते थे, उनकी कैसी दशा थी। उनकी गाढ़ी कमाई के पैसे का दुरूपयोग हो रहा था। आज शराबबंदी के बाद माहौल शांत है। हम जगह–जगह घूम रहे थे, वहॉ पर महिलाओं से उनका अनुभव पूछते थे। एक जगह पर महिला ने अपना अनुभव बताया कि पहले उसके पति शराब पीते थे। लड़ाई–झगड़ा करते थे, देखने में क्रूर लगते थे। अब शराबबंदी के बाद पति अच्छा व्यवहार करते हैं, शाम को सब्जी लेकर घर आते हैं और देखने में सुंदर लगते थे। यह एक महिला की नहीं पूरे समाज की कहानी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के बाद गॉधी जी ने इस क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के लिये बहुत काम किया। हम गॉधी जी द्वारा चलाये गये उन स्कूलों को देखा है। हमें गॉधी जी के विचार को जन–जन तक ले जाना है। 10 अप्रैल 2017 से 21 अप्रैल 2018 तक कार्यक्रम चलाया जायेगा। अगर दस से पन्द्रह प्रतिशत युवा भी गॉधी जी के विचारधारा को अपना लेते हैं तो समाज बदल जायेगा। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को पटना में देश भर के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया गया। सभी जगहों से लोग उत्साह के साथ आये थे। स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने में काफी खुशी हुयी। हम स्वतंत्रता की लड़ाई तथा इस लड़ाई में दी गयी कुर्बानियों से नई पीढ़ी को अवगत करायेंगे, नई पीढ़ी को यह बताना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के कुरीतियों के खिलाफ हम लड़ रहे हैं। बिहार शराबबंदी से नशामुक्ति की ओर बढ़ रहा है। 21 जनवरी 2017 को इसके लिये मानव श्रृंखला बनाया गया था, जिसमें चार करोड़ लोगों ने भाग लिया था। इसी तरह से समाज के अन्य कुरीतियों के खिलाफ भी अभियान चलाया जायेगा। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान चलाया जायेगा। कानून तो मौजूद है, पर लोगों को जागरूक करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि 2017 अद्भूत वर्ष है, इसी वर्ष सिखों के 10वें गुरू गुरू गोविंद सिंह महाराज का 350वां प्रकाश पर्व था। इसी वर्ष रिकॉर्ड लंबी मानव श्रृंखला बनायी गयी। इसी वर्ष चम्पारण सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष है। उन्होंने कहा कि गॉधी जी के संदेशों को जन–जन तक ले जाने के साथ–साथ स्थायी ढ़ॉचों का भी निर्माण किया जायेगा। पिलर, स्मारक आदि बनाये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जगह (मुरली भरहवा गॉव में) पंडित राजकुमार शुक्ल की स्मृति में एक स्मारक बनाया जायेगा, जहॉ उनकी मूर्ति भी स्थापित की जायेगी। यहीं पर संत राउत की भी मूर्ति स्थापित की जायेगी। इसके अलावा बेतिया में चम्पारण सत्याग्रह से जुड़े स्थलों में स्मृति पार्क तथा स्मारक भवन के विकास के साथ–साथ चम्पारण में गॉधी जी द्वारा स्थापित छह मुख्य विद्यालयों का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि बेतिया में एक हजार की क्षमता का गॉधी स्मृति नगर भवन का निर्माण कराया जायेगा, इसके अलावा अमोलवा ग्राम के विद्यालय से भरहवा ग्राम तक 1.85 किलोमीटर पथ जिसकी अनुमानित लागत 1.72 करोड़ रूपये है, का निर्माण कराया जायेगा। पचरूखिया मोड़ से मुरली पुरानी टोला स्कूल तक 1.4 किलोमीटर पथ जिसकी अनुमानित लागत 1.43 करोड़ रूपये है, ग्राम टोला सम्पर्क निश्चय योजना के तहत निर्माण कराया जायेगा। इसके अलावा स्थानीय मॉग एवं आवश्यकता के मद्देनजर पटखौली ग्राम, मुरली भरहवा ग्राम, भरहवा टोला, बलुआ ग्राम एवं पिपरा ग्राम में कटाव निरोधक कार्य कराने का निर्देश जल संसाधन विभाग द्वारा स्थानीय अभियंताओं को दे दिया गया है। वर्तमान में तीन स्थानों यथा– पटखौली ग्राम, मुरली भरहवा एवं भरहवा टोला में कटाव निरोधक कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। बलुआ ग्राम एवं पिपरा ग्राम में भी शीघ्र कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि एक साल के अंदर पश्चिम चम्पारण जिला के हर पंचायत को खुले में शौच से मुक्त बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉधी जी जब बेतिया आये थे तो हजारीमल धर्मशाला में ठहरे थे। हजारीमल धर्मशाला को स्मारक के रूप में विकसित करने की कोशिश करेंगे। मामला अभी कोर्ट में है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर के लंगट सिंह कॉलेज में एक कुऑ है, जहॉ गॉधी जी ने स्नान किया था। उस कुऑ को बचाकर रखा गया है। हमने देखा कि उस कुऑ में पानी उपलब्ध नहीं है। हमने उस कुऍ की और खुदाई करने को कहा ताकि कुऑ से पानी निकले और उस पानी को प्रसाद के रूप में लोगों को दिया जाय। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम उसी जगह आये हैं, जहॉ सौ वर्ष पहले गॉधी जी आये थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिये हम सब कुछ करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार का कितना महत्व है, चाहे 1857 की लड़ाई हो, बाबू वीर कुँवर सिंह के नेतृत्व में लड़ी गयी थी। उसके 60 साल के बाद गॉधी जी चम्पारण आये और चम्पारण में सत्याग्रह किया। इसके 30 साल बाद देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि अगर हम सब एकजुट, मिल–जुलकर काम करें तो बिहार अग्रणी राज्य बन जायेगा। दूसरों के लिये बिहार मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि अगर समाज को आगे बढ़ना है तो गॉधी जी के विचार सत्य, अहिंसा, आपसी प्रेम, सद्भाव को अपनाना होगा।

सभा को संबोधित करते हुये उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि गॉधी जी को महात्मा बनाने का काम चम्पारण सत्याग्रह ने किया है। चम्पारण सत्याग्रह में राजकुमार शुक्ल के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। हमें एकजुटता दिखाने की कोशिश करनी चाहिये। सभा को शिक्षा मंत्री श्री अशोक चौधरी, पश्चिम चम्पारण जिला प्रभारी सह खाद्य आपूर्ति मंत्री श्री मदन सहनी, गन्ना उद्योग मंत्री श्री खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। मुख्यमंत्री को गोपाल सिंह नेपाली फाउण्डेशन की ओर से भी प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। आयोजित

समारोह में मुख्यमंत्री ने पंडित राजकुमार शुक्ल एवं संत राउत के परिजनों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर विधान पार्षद श्री राजेश राम, विधान पार्षद श्री वीरेन्द्र नारायण यादव, विधायक श्रीमती भागीरथी देवी, विधायक श्री आर0एस0 पाण्डेय, विधायक श्री विनय कुमार वर्मा, विधायक श्री मदन मोहन तिवारी, विधायक श्री विनय बिहारी, पूर्व मंत्री श्री विश्वमोहन शर्मा, पूर्व मंत्री श्री रामप्रसाद यादव, पूर्व सांसद श्री बैद्यनाथ महतो, पूर्व सांसद श्री कैलाश बैठा, महागठबंधन के तीन दलों के जिला अध्यक्ष सहित अन्य सम्मानित नेतागण, प्रधान सचिव नगर विकास एवं आवास श्री चैतन्य प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, आयुक्त तिरहुत प्रमण्डल श्री अतुल प्रसाद, पुलिस महानिरीक्षक तिरहुत प्रक्षेत्र श्री सुनील कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******